चम्पारण ज्ञानाग्रह

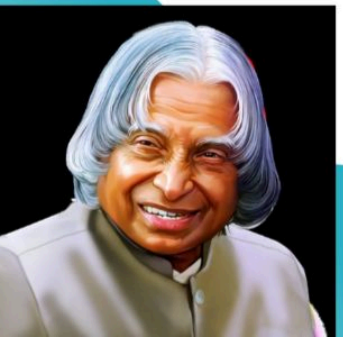
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 21 नवंबर 2026, अंक –399.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"जैसे कुत्ता अपनी पूँछ नहीं बदल सकता, वैसे ही दुष्ट अपना स्वभाव नहीं छोड़ता।" — चाणक्य



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. बेलीज की राजधानी क्या है?
उत्तर: बेल्मोपान।
प्रश्न 2. एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट कौन थीं?
उत्तर: कमलजीत संधू।
प्रश्न 3. 'मयूर नृत्य' भारत के किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य शैली है?
उत्तर: उत्तर प्रदेश
प्रश्न 4. 1 से 20 तक की सभी विषम प्राकृतिक संख्याओं का योग कितना है?
उत्तर: 100
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में प्राचीन पुरातात्त्विक स्थल चिरांद स्थित है?
उत्तर: सारण।
प्रश्न 6. किस पक्षी की आँखें उसके सिर के पीछे की ओर भी देखने में सक्षम होती हैं?
उत्तर: स्नाइप
प्रश्न 7. एयर ब्रेक प्रणाली के आविष्कारक कौन थे?
उत्तर: जॉर्ज वेस्टिंगहाउस
प्रश्न 8. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद संपत्ति के अधिकार को संवैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता देता है?
उत्तर: अनुच्छेद 300A
प्रश्न 9. 'जो अपने कर्तव्य का पालन निष्ठापूर्वक करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: कर्तव्यनिष्ठ
प्रश्न 10. गर्मियों में मिट्टी के घड़े का पानी ठंडा क्यों रहता है?
उत्तर: वाष्पीकरण के कारण

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Crop - क्रॉप - फसल
2. Seed - सीड - बीज
3. Sapling - सैप्लिंग - पौधा
4. Plantation - प्लांटेशन - वृक्षारोपण
5. Granary - ग्रैनरी - अनाज भंडार
6. Famine - फैमिन - अकाल
7. Irrigation - इरिगेशन - सिंचाई



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Why are we going to + V1?"
(हम ... क्यों करने वाले हैं?)
हम सुबह जल्दी क्यों उठने वाले हैं? – Why are we going to wake up early in the morning?
हम इस गाँव का दौरा क्यों करने वाले हैं? – Why are we going to visit this village?
हम पेड़ क्यों लगाने वाले हैं? – Why are we going to plant trees?
हम अपनी योजना क्यों बदलने वाले हैं? – Why are we going to change our plan?
हम जरूरतमंद लोगों की मदद क्यों करने वाले हैं? – Why are we going to help needy people?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 21 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा जनसंचार, शिक्षा और वैश्विक सूचना प्रवाह में टेलीविजन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व टेलीविजन दिवस (World Television Day)
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1996 में संकल्प 51/205 पारित कर प्रतिवर्ष 21 नवंबर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' (World Television Day) के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह तिथि 21-22 नवंबर 1996 को संयुक्त राष्ट्र में आयोजित 'प्रथम विश्व टेलीविजन फोरम' की स्मृति में चुनी गई। इसका मुख्य उद्देश्य टेलीविजन को केवल मनोरंजन के साधन के बजाय जन-शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, लोकतांत्रिक संवाद और वैश्विक मुद्दों पर जनता का ध्यान केंद्रित करने वाले एक सशक्त संचार माध्यम के रूप में स्वीकार करना है। भारत में टेलीविजन का प्रसारण 15 सितंबर 1959 को 'दूरदर्शन' के रूप में प्रारंभ हुआ था।
संदर्भ: UN General Assembly Resolution 51/205;

प्र.2. हाल ही में भारत सरकार द्वारा सेमीकंडक्टर विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (ISM) के अंतर्गत किन प्रमुख राज्यों में स्थापित की जा रही चिप असेंबली व परीक्षण (ATMP/OSAT) इकाइयों के निर्माण चरण को गति प्रदान की गई? (समसामयिक घटना)
उत्तर: गुजरात (साणंद व धोलेरा) और असम (मोरीगांव)
व्याख्या: 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (ISM) के तहत भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए गुजरात के साणंद व धोलेरा तथा पूर्वोत्तर भारत में असम के मोरीगांव (जागीरोड) में स्थापित हो रही सेमीकंडक्टर फैब और ATMP (Assembly, Testing, Marking, and Packaging) इकाइयों के बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इन संयंत्रों के संचालन से ऑटोमोबाइल, दूरसंचार (5G/6G), रक्षा उपकरणों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए स्वदेशी चिप्स का उत्पादन संभव होगा तथा देश में हजारों उच्च-तकनीकी रोजगार सृजित होंगे।
संदर्भ: Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) Press Releases;

प्र.3. प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार विष्णु प्रभाकर द्वारा शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के संघर्षमय जीवन और साहित्यिक साधना पर रचित वह कौन-सी कालजयी जीवनी कृति है, जिसे 14 वर्षों के गहन शोध के बाद 1974 में प्रकाशित किया गया था? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: आवारा मसीहा (1974)
व्याख्या: 'आवारा मसीहा' (1974) सुप्रसिद्ध रचनाकार विष्णु प्रभाकर द्वारा प्रख्यात बांग्ला उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन पर लिखी गई हिंदी साहित्य की सर्वश्रेष्ठ और प्रामाणिक जीवनी कृति है। इस पुस्तक को लिखने के लिए विष्णु प्रभाकर ने शरतचंद्र के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों (बंगाल, बिहार के भागलपुर और म्यांमार/बर्मा) की यात्रा की और 14 वर्षों तक तथ्यों का संकलन किया। इसमें शरतचंद्र के घुमक्कड़ स्वभाव, निर्धन और उपेक्षित वर्गों के प्रति गहरी संवेदना तथा 'देवदास', 'श्रीकांत' और 'चरित्रहीन' जैसी अमर कृतियों की रचना-प्रक्रिया का अत्यंत जीवंत अंकन मिलता है।
संदर्भ: विष्णु प्रभाकर — 'आवारा मसीहा', राजपाल एंड संस; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य

प्र.4. किसी पारिस्थितिक तंत्र में जब एक जीव को लाभ होता है और दूसरे जीव को न तो कोई लाभ होता है और न ही कोई हानि होती है (जैसे आम की शाखा पर उगने वाला ऑर्किड या व्हेल की पीठ पर रहने वाले बार्नेकल), तो इस अंतःक्रिया को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: सहभोजिता (Commensalism)
व्याख्या: पारिस्थितिकी में विभिन्न प्रजातियों के मध्य होने वाली समष्टि पारस्परिक क्रियाओं (Population Interactions) में 'सहभोजिता' (Commensalism) एक महत्वपूर्ण संबंध है, जिसे गणितीय रूप से (+, 0) द्वारा दर्शाया जाता है। इसमें एक प्रजाति को आवास, भोजन या परिवहन का लाभ मिलता है, जबकि दूसरी प्रजाति पूरी तरह अप्रभावित (उदासीन) रहती है। इसके प्रमुख प्राकृतिक उदाहरण हैं: (1) आम के पेड़ की शाखा पर अधिपादप (Epiphyte) के रूप में उगने वाला ऑर्किड; (2) चरने वाले मवेशियों के साथ चलने वाले बगुले (Cattle Egret), जो मवेशियों के चलने से घास से बाहर निकलने वाले कीड़ों को खाते हैं; तथा (3) समुद्री एनीमोन के दंश स्पर्शकों के बीच सुरक्षित रहने वाली क्लाउन मछली।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 13 "जीव और समष्टियाँ" (Organisms and Populations - Commensalism), p. 236–238;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महाराष्ट्र के सतारा और कोल्हापुर क्षेत्र में नाना साहेब के प्रतिनिधि के रूप में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व करने वाले देशभक्त क्रांतिकारी कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: रंगो बापूजी गुप्ते (और चिमा साहेब)
व्याख्या: रंगो बापूजी गुप्ते सतारा के अपदस्थ राजा प्रताप सिंह के विश्वस्त वकील और 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में पश्चिमी भारत के प्रमुख सूत्रधार थे। लंदन में वर्षों तक ब्रिटिश संसद और ईस्ट इंडिया कंपनी के समक्ष सतारा राज्य की बहाली की कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद जब उन्हें न्याय नहीं मिला, तो वे भारत लौटे और सशस्त्र क्रांति का मार्ग चुना। उन्होंने नाना साहेब और तात्या टोपे के साथ संपर्क स्थापित कर रामोशी, कोली और मांग समुदायों के हजारों योद्धाओं को संगठित किया तथा सतारा, पुणे और बेलगाम में ब्रिटिश खजानों व छावनियों पर हमले की योजना बनाई। ब्रिटिश दमन के बाद वे भूमिगत हो गए और अंग्रेज उन्हें कभी जीवित नहीं पकड़ सके।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. हिमालय पर्वत श्रृंखला के कुमाऊं क्षेत्र में उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर (गोमुख) से निकलने वाली 'भागीरथी' और सतोपंथ ग्लेशियर से निकलने वाली 'अलकनंदा' नदियाँ किस पवित्र संगम स्थल पर मिलकर 'गंगा' नाम धारण करती हैं? (भूगोल)

उत्तर: देवप्रयाग (उत्तराखंड)

व्याख्या: उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में स्थित 'देवप्रयाग' पंच प्रयागों (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग) में अंतिम और सर्वाधिक महत्वपूर्ण संगम स्थल है। यहाँ गंगोत्री हिमनद के गोमुख से निकलने वाली तेज धारा 'भागीरथी' और बद्रीनाथ के निकट सतोपंथ हिमनद से निकलने वाली 'अलकनंदा' नदी का परस्पर संगम होता है। देवप्रयाग से आगे इस संयुक्त जलधारा को आधिकारिक रूप से 'गंगा नदी' कहा जाता है, जो ऋषिकेश और हरिद्वार होते हुए उत्तर भारत के विशाल मैदान में प्रवेश करती है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 19–21; NCERT Class 11 India Physical Environment, Ch 3 Drainage System, p. 23–25;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG) को यह निर्देश देता है कि वह संघ और राज्यों के लेखों को ऐसे प्रारूप में रखे जो राष्ट्रपति द्वारा कैग की सलाह पर विहित किया जाए? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 150 (Article 150)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG) से संबंधित प्रावधानों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 150' लेखांकन के प्रारूप का निर्धारण करता है। इसके अनुसार, संघ के और राज्यों के लेखाओं (Accounts) को ऐसे प्रारूप में रखा जाएगा जो भारत के राष्ट्रपति, भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की सलाह पर विहित (निर्धारित) करें। वर्ष 1976 में केंद्र सरकार के स्तर पर लेखांकन (Accounting) और लेखापरीक्षा (Auditing) के कार्यों को अलग कर दिया गया, परंतु राज्यों के स्तर पर आज भी कैग ही दोनों दायित्वों का निर्वहन करता है, जिससे सार्वजनिक व्यय में वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 150; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 5 "विधायिका", p. 112–115;

प्र.8. मानव हृदय में ऑक्सीजन-युक्त शुद्ध रक्त (Oxygenated Blood) को बाएं निलय (Left Ventricle) से ग्रहण कर शरीर के सभी अंगों तक पहुँचाने वाली शरीर की सबसे बड़ी मुख्य धमनी कौन-सी है? (विज्ञान)

उत्तर: महाधमनी (एओर्टा / Aorta)

व्याख्या: मानव के दोहरे परिसंचरण तंत्र (Double Circulation) में 'महाधमनी' (Aorta) शरीर की सबसे बड़ी और सबसे मोटी भित्ति वाली रक्त वाहिका है। जब फेफड़ों से शुद्ध (ऑक्सीजन-युक्त) रक्त फुप्फुस शिराओं द्वारा हृदय के बाएं अलिंद (Left Atrium) और फिर बाएं निलय (Left Ventricle) में आता है, तो बाएं निलय के शक्तिशाली संकुचन (Systole) से यह रक्त उच्च दाब के साथ 'महाधमनी' में पंप किया जाता है। महाधमनी आगे चलकर अनेक छोटी धमनियों और केशिकाओं (Capillaries) में विभाजित होकर मस्तिष्क सहित शरीर की प्रत्येक कोशिका को ऑक्सीजन और पोषक तत्व प्रदान करती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (मानव में वहन), p. 115–118;

प्र.9. 12वीं शताब्दी में काकतीय राजवंश के सेनापति रेचारला रुद्र द्वारा तेलंगाना के वारंगल (मुलुगु) में निर्मित वह कौन-सा अद्वितीय शिव मंदिर है, जो तैरने वाली हल्की ईंटों (Floating Bricks) और 'सैंडबॉक्स तकनीक' की भूकंपरोधी नींव के लिए विश्वप्रसिद्ध यूनेस्को धरोहर है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: रामप्पा मंदिर (रुद्रेश्वर मंदिर, तेलंगाना)

व्याख्या: काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर तेलंगाना के मुलुगु जिले के पालमपेट गाँव में स्थित 13वीं शताब्दी (1213 ईस्वी) का एक अद्भुत स्थापत्य चमत्कार है। इस मंदिर का नाम इसके मुख्य शिल्पकार 'रामप्पा' के नाम पर पड़ा है। इसकी दो प्रमुख वैज्ञानिक विशेषताएं हैं: (1) इसके शिखर के निर्माण में अत्यंत हल्की छिद्रयुक्त ईंटों का उपयोग किया गया है, जो पानी पर तैर सकती हैं, जिससे छत का वजन कम रहता है; (2) इसकी नींव में 'सैंडबॉक्स तकनीक' (Sandbox Technology) का उपयोग किया गया है, जिसमें गड्ढे को रेत, चूने और गुड़ के मिश्रण से भरा गया है जो भूकंप की तरंगों को सोख लेता है। वर्ष 2021 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: Archaeological Survey of India (ASI) Hyderabad Circle; UNESCO World Heritage Centre Official Citation (2021);

प्र.10. बिहार के वैशाली जिले के बसाढ़ में जन्मे प्राचीन भारत के किस महान गणराज्य को विश्व का 'प्रथम गणतंत्र' (First Republic of the World) माना जाता है, जहाँ राजकाज का संचालन निर्वाचित प्रतिनिधियों की सभा (संस्थागार) द्वारा होता था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: वज्जि संघ (लिच्छवि गणराज्य, वैशाली)

व्याख्या: छठी शताब्दी ईसा पूर्व में प्राचीन भारत के सोलह महाजनपदों में से एक 'वज्जि महाजनपद' (राजधानी: वैशाली) आठ कुलों का एक सुसंगठित संघ था, जिसमें वैशाली के 'लिच्छवि' सबसे प्रमुख थे। यहाँ वंशानुगत राजतंत्र के बजाय 'गण' या 'संघ' शासन प्रणाली प्रचलित थी, जिसमें हजारों राजा (निर्वाचित प्रतिनिधि) एक साथ 'संस्थागार' (संसद भवन) में बैठकर सर्वसम्मति या बहुमत से कानून बनाते और न्याय करते थे। भगवान बुद्ध ने स्वयं वैशाली के लिच्छवियों की लोकतांत्रिक एकता, नियमित सभाओं और अनुशासन की प्रशंसा की थी। इसी गौरवशाली परंपरा के कारण वैशाली को 'विश्व लोकतंत्र की जननी' कहा जाता है।

संदर्भ: NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 5 "राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य", p. 51–54; BPSC General Studies Paper-1 Ancient Bihar History;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W4 — शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार कड़ाके की ठंड व शीतलहर में शरीर के तापमान को गिरने (हाइपोथर्मिया) से बचाने हेतु पोशाक, पेय पदार्थ एवं श्वसन सुरक्षा से जुड़े कौन-से प्रमुख बचाव उपाय अपनाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: गर्म व सूती/ऊनी परतदार पोशाक पहनना, मुंह-नाक ढंककर निकलना, गर्म पेय (अदरक चाय/काढ़ा/हल्दी-दूध) लेना तथा गीले कपड़ों को तुरंत बदलना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026' (नवंबर चतुर्थ शनिवार: शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार शीतलहर (Cold Wave) से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों में हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान असामान्य रूप से कम होना) और निमोनिया का गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। इससे बचाव हेतु प्रमुख उपाय निम्नलिखित हैं:

1. गरम पोशाक व गीले कपड़ों से बचाव: ठंड में शरीर को ढकने वाले गर्म कपड़े (स्वेटर, टोपी, मोजे) पहनें। यदि कपड़े किसी कारणवश गीले हो जाएं, तो उन्हें तुरंत बदल दें क्योंकि गीले कपड़े शरीर के तापमान को बहुत तेजी से गिराते हैं। बहुत देर तक ठंडे फर्श पर न बैठें और न ही खड़े रहें।
2. श्वसन सुरक्षा और स्नान: घर या विद्यालय से बाहर निकलते समय मफलर या रुमाल से मुंह और नाक को अच्छी तरह ढककर निकलें ताकि बर्फीली हवा सीधे फेफड़ों में न जाए। ठंड के दिनों में स्नान के लिए गुनगुने या गर्म पानी का उपयोग करें।
3. गरम खुराक व पेय पदार्थ: शरीर को आंतरिक ऊष्मा प्रदान करने के लिए गर्म व पौष्टिक भोजन करें तथा गर्म पेय पदार्थ — जैसे अदरक की चाय, तुलसी-अदरक का काढ़ा और हल्दी वाला गर्म दूध — का नियमित सेवन करें।
4. अतिरिक्त सावधानी: ठंड में भारी शारीरिक व्यायाम करने से पूर्व शरीर को अच्छी तरह वार्म-अप (Warm-up) अवश्य करें, तथा बंद कमरे में अंगीठी या कोयला जलाकर न सोएं (इससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस से दम घुटने का खतरा रहता है)। संदर्भ: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) आपदा जोखिम

प्र.12. 5 क्रमागत सम संख्याओं (Consecutive Even Numbers) का औसत 38 है। बताइए उन पाँचों संख्याओं में सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या का गुणनफल कितना होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 1,428

व्याख्या: यह 'औसत' (Average) और क्रमागत संख्याओं की सममिति (Symmetry) पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।

नियम: जब पदों की संख्या विषम (यहाँ 5) हो, तो क्रमागत सम संख्याओं का औसत सदैव ठीक बीच वाली (तीसरी) संख्या होती है।

अतः तीसरी (मध्य) सम संख्या = 38।, चूँकि ये क्रमागत सम संख्याएं हैं, इसलिए प्रत्येक संख्या के बीच 2 का अंतर होगा:

पहली (सबसे छोटी) संख्या = 38 - 4 = 34, दूसरी संख्या = 38 - 2 = 36, तीसरी संख्या = 38, चौथी संख्या = 38 + 2 = 40

पाँचवीं (सबसे बड़ी) संख्या = 38 + 4 = 42। (जाँच: (34 + 36 + 38 + 40 + 42) / 5 = 190 / 5 = 38)। अब प्रश्नानुसार, सबसे बड़ी (42) और सबसे छोटी (34) संख्या का गुणनफल: \text{गुणनफल} = 42 \times 34 42 \times 30 = 1,260 42 \times 4 = 168 कुल योग = 1,260 + 168 = 1,428। (वैकल्पिक बीजगणितीय विधि: (38 + 4)(38 - 4) = 38^2 - 4^2 = 1,444 - 16 = 1,428)। अतः उन संख्याओं में सबसे बड़ी और सबसे छोटी संख्या का गुणनफल ठीक 1,428 होगा। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 3 'आंकड़ों का प्रबंधन' (Data Handling), Mean (औसत)

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Acumen (अक्यूमन) = Insight (इनसाइट) = सूझ-बूझ / तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता
Antonym – Ineptitude (इनेप्टिट्यूड) = अयोग्यता / अकुशलता
Approbation (अप्रोबेशन) = Approval (अप्रूवल) = प्रशंसा / स्वीकृति
Antonym – Disapproval (डिसअप्रूवल) = अस्वीकृति / नापसंदगी
Churlish (चर्लिश) = Boorish (बूरिश) = असभ्य / रूखा व्यवहार करने वाला
Antonym – Courteous (कर्टियस) = विनम्र / शिष्ट
Compunction (कम्पंक्शन) = Remorse (रिमॉर्स) = पश्चात्ताप / आत्मग्लानि
Antonym – Shamelessness (शेमलेसनेस) = निर्लज्जता / बेशर्मी
Diaphanous (डायैफनस) = Translucent (ट्रांसलूसेंट) = अर्धपारदर्शी / झीना
Antonym – Opaque (ओपेक) = अपारदर्शी / धुँधला



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

PM Modi to inaugurate First SCO Civilisational Dialogue Forum on 20 November at Purana Qila, New Delhi; will address the gathering
हिन्दी अनुवाद: प्रधानमंत्री मोदी 20 नवंबर को नई दिल्ली के पुराना किला में पहले SCO सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन करेंगे; भीड़ को संबोधित करेंगे।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 नवंबर को लगभग 5:30 बजे नई दिल्ली के पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (SCO) सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन करेंगे। वे अवसर पर भीड़ को संबोधित भी करेंगे।

Lok Sabha Speaker calls for modern technology and AI to strengthen defence land management; centenary celebrations of Defence Estates Organisation in New Delhi
हिन्दी अनुवाद: लोकसभा अध्यक्ष ने रक्षा भूमि प्रबंधन को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीक और AI की मांग की; नई दिल्ली में रक्षा भूमि संगठन के शताब्दी समारोह। ￼
लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रक्षा भूमि संगठन को आधुनिक तकनीक, डिजिटलीकरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के माध्यम से रक्षा भूमि के प्रबंधन और सुरक्षा को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने रक्षा संपत्तियों की सुरक्षा, अतिक्रमण को रोकने और सशस्त्र बलों की परिचालन आवश्यकताओं के लिए समय पर भूमि उपलब्धता को शीर्ष प्राथमिकता बताया।

India and Japan agree to deepen defence cooperation in key areas; reiterate commitment to peace and stability in Indo-Pacific
हिन्दी अनुवाद: भारत और जापान प्रमुख क्षेत्रों में रक्षा सहयोग को गहरा करने पर सहमत हुए; हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।
भारत और जापान ने प्रमुख क्षेत्रों में रक्षा सहयोग को गहरा करने पर सहमति व्यक्त की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

INTERNATIONAL NEWS

Israel strikes Hezbollah site as Iraq reaches compromise with Iran-backed militia; Yemen airstrikes kill at least 15; Saudi-led coalition says Houthi missile debris fell in Riyadh
हिन्दी अनुवाद: इजरायल ने हिज़्बुल्लाह स्थल पर हमला किया जैसा कि इराक ईरान-समर्थित मिलिशिया के साथ समझौता करता है; यमन में हवाई हमलों में कम से कम 15 की मौत; सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि हूती मिसाइल का मलबा रियाद में गिरा।
इजरायल ने लेबनान में हवाई हमले किए, जिसमें उसने हिज़्बुल्लाह की सैन्य क्षमता फिर से बनाने की कोशिश करने वाले स्थल को निशाना बनाने का दावा किया। इराक की सरकार ने एक शक्तिशाली ईरान-समर्थित मिलिशिया के साथ समझौता करने की कोशिश की। यमन में हवाई हमलों में कम से कम 15 लोग मारे गए और सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि हूती मिसाइल का मलबा रियाद में गिरा।

Houthis threaten to strike Saudi Red Sea ports if Saudi-led coalition forces strike Hodeidah; Saudi air defences intercept Houthi ballistic missile and two drones targeting southern Saudi Arabia
हिन्दी अनुवाद: हूतियों ने सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन बलों के होदेदाह पर हमले की स्थिति में सऊदी लाल सागर बंदरगाहों पर हमले की धमकी दी; सऊदी वायु रक्षा ने दक्षिणी सऊदी अरब को निशाना बनाने वाली हूती बैलिस्टिक मिसाइल और दो ड्रोन रोके।
यमन के ईरान-समर्थित हूतियों ने सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन बलों के होदेदाह पर हमले की स्थिति में सऊदी लाल सागर बंदरगाहों पर हमले की धमकी दी। सऊदी वायु रक्षा ने दक्षिणी सऊदी अरब को निशाना बनाने वाली हूती बैलिस्टिक मिसाइल और दो ड्रोन रोके।

Iran's Revolutionary Guard claims two supertankers carrying more than four million barrels of crude oil caught fire after hitting mines in Strait of Hormuz; Trump says no rush on Iran
हिन्दी अनुवाद: ईरान के इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड ने दावा किया कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में खदानों से टकराने के बाद चार मिलियन बैरल से अधिक कच्चा तेल ले जा रहे दो सुपरटैंकर में आग लग गई; ट्रंप ने ईरान पर कोई जल्दी नहीं कहा।
ईरान के इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड ने दावा किया कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में खदानों से टकराने के बाद चार मिलियन बैरल से अधिक कच्चा तेल ले जा रहे दो सुपरटैंकर में आग लग गई। ट्रंप ने ईरान पर कोई जल्दी नहीं कहा।

BIHAR NEWS

Bihar and UP on high alert after Nepal disaster; special vigilance in West Champaran, East Champaran, Gopalganj, Saran, Muzaffarpur and Vaishali; all 36 gates of Gandak Barrage opened
हिन्दी अनुवाद: नेपाल आपदा के बाद बिहार और यूपी में हाई अलर्ट; पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली में विशेष सतर्कता; गंडक बैराज के सभी 36 गेट खोले गए।
नेपाल में भारी फ्लैश फ्लड के बाद बिहार और यूपी में हाई अलर्ट जारी किया गया है। बिहार में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली सहित अन्य संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता का आदेश दिया गया है। नेपाल में फ्लैश फ्लड के कारण गंडक नदी में अपेक्षित बाढ़ के मद्देनजर NDRF हाई अलर्ट पर है। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि दोपहर करीब 86,000 क्यूसेक पानी वाल्मीकिनगर के गंडक बैराज से छोड़ा गया।

Bihar flood situation worsens as another river breaches; Lakhandei river breaches embankments at two places in Sitamarhi and Muzaffarpur districts; over 4 lakh people affected
हिन्दी अनुवाद: बिहार में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी जैसा कि एक और नदी ने तोड़ा; लखंडेई नदी ने सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर जिलों में दो जगह तटबंध तोड़े; 4 लाख से अधिक लोग प्रभावित।
बिहार में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी है और लगभग 4 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। लखंडेई नदी ने सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर जिलों में दो जगह तटबंध तोड़े हैं। बाढ़ के पानी ने जिले के कटरा, गाइघाट और बंदरा प्रखंडों के 75 से अधिक गांवों को डुबो दिया है, जिससे करीब 3 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

SPORTS NEWS

India reach 159/1 after day two of first Test against New Zealand in Wellington; trail by 209 runs
हिन्दी अनुवाद: वेलिंगटन में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन के बाद भारत 159/1 पर पहुँचा; 209 रन पीछे।
वेलिंगटन में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन के बाद भारत 159/1 पर पहुँचा। भारत ने न्यूज़ीलैंड की गलतियों का फायदा उठाया और 209 रन पीछे है।

Henry Nicholls unbeaten 175 guides New Zealand to 368; India 159/1 at stumps on day two
हिन्दी अनुवाद: हेनरी निकोल्स के अजेय 175 रन ने न्यूज़ीलैंड को 368 तक पहुँचाया; दूसरे दिन के अंत में भारत 159/1 पर।
हेनरी निकोल्स ने अजेय 175 रन बनाए और न्यूज़ीलैंड को 368 तक पहुँचाया। दूसरे दिन के अंत में भारत 159/1 पर था।

Yashasvi Jaiswal and KL Rahul power India to 159/1; India trail by 218 runs
हिन्दी अनुवाद: यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भारत को 159/1 तक पहुँचाया; भारत 218 रन पीछे।
यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भारत को 159/1 तक पहुँचाया। भारत 218 रन पीछे है।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

Current Affairs of the Day (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

"PM Modi to inaugurate First SCO Civilisational Dialogue Forum on 20 November at Purana Qila, New Delhi; will address the gathering"
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 नवंबर को लगभग 5:30 बजे नई दिल्ली के पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (SCO) सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन करेंगे। वे अवसर पर भीड़ को संबोधित भी करेंगे।

अनुभाग-6

सुरक्षित शनिवार विशेष
भूकंप से बचाव के बारे में जानकारी

सुरक्षित शनिवार | माह : नवंबर (तीसरा शनिवार) | विषय : भूकंप से बचाव (मॉकड्रिल)

1 भूकंप क्या है ?



2 यह क्यों खतरनाक हैं ?



भवन गिर सकते हैं।

चीजें गिर सकती हैं।

बिजली का खतरा हो सकता हैं।

3 भूकंप के समय क्या करें ?

झुको – ढको – पकड़ें रहो



4 मॉकड्रिल क्या है ?



5 भूकंप के बाद क्या करें ?



6 हमारा संकल्प





.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-38

सोचो... समझो... हल करो...

6			8	9				7
	5		6		2			
								2
		5					7	
	6			8	9	4		
		9	2	4				
	7			2	4			
9			5					
	2			1			5	8

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"अपने आप पर विश्वास रखो, आधी सफलता वहीं मिल जाती है।"

— स्वामी विवेकानंद

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

8	3	2	8	9	1	8	4	7
4	8	7	6	3	2	9	8	1
8	9	1	4	8	7	3	6	2
2	4	8	1	8	3	8	7	9
1	6	3	7	8	9	4	2	6
7	8	9	2	4	8	6	1	3
8	7	8	3	2	4	1	9	8
9	1	6	8	7	8	2	3	4
3	2	4	9	1	6	7	8	8

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 12, श्लोक 13–14
अद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्रः करुण एव च।
निर्ममो निरहङ्कारः समदुःखसुखः क्षमी॥
सन्तुष्टः सततं योगी यतात्मा दृढनिश्चयः।
मय्यर्पितमनोबुद्धिर्यो मद्भक्तः स मे प्रियः॥

सरल हिन्दी अर्थ:
जो मनुष्य संपूर्ण प्राणियों के प्रति द्वेष-भाव से रहित है, सबका निःस्वार्थ मित्र (मैत्रः) और करुणामय (करुणः) है; जो 'मेरा' (ममता/आसक्ति) और 'मैं' (अहंकार) की भावना से मुक्त है, सुख और दुःख में समान रहने वाला तथा क्षमाशील है; जो निरंतर संतुष्ट रहने वाला योगी है, जिसने मन और इंद्रियों को वश में कर रखा है, जिसका निश्चय अत्यंत दृढ़ है और जिसने अपने मन तथा बुद्धि को मुझमें (सत्य व कर्तव्य में) अर्पित कर दिया है—ऐसा मेरा भक्त मुझे अत्यंत प्रिय है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
अध्याय 12 (भक्तियोग) में श्रीकृष्ण किसी बाहरी कर्मकांड को नहीं, बल्कि भावनात्मक परिपक्वता (Emotional Intelligence) और उच्च चरित्र को ही सच्ची भक्ति का प्रमाण बताते हैं। यहाँ एक आदर्श और संतुलित व्यक्तित्व के प्रमुख गुण स्पष्ट किए गए हैं:

- अद्वेष्टा, मैत्रः और करुणः (सक्रिय सद्भावना): केवल किसी से नफरत न करना (अद्वेष्टा) पर्याप्त नहीं है; बल्कि सबके प्रति मित्रता का हाथ बढ़ाना (मैत्रः) और दूसरों के कष्ट को देखकर संवेदनशील होकर सहायता करना (करुणः) ही पूर्ण मानवता है।
- निर्ममः और निरहङ्कारः (अहंकार-मुक्त नेतृत्व): जब हम किसी कार्य, पद या व्यवस्था को 'मेरा' (ममत्व) मान लेते हैं, तो असुरक्षा और तनाव जन्म लेता है। 'निर्मम' होने का अर्थ है—पूरी जिम्मेदारी से काम करना, किंतु उस पर मालिकाना हक या घमंड न पालना।
- सन्तुष्टः सततं और दृढनिश्चयः (आंतरिक स्थिरता): बाहरी परिस्थितियाँ अनुकूल हों या प्रतिकूल, भीतर से संतुष्ट रहना (सन्तुष्टः), और सही सिद्धांतों व लक्ष्यों के प्रति चट्टान की तरह अडिग रहना (दृढनिश्चयः) ही वास्तविक मानसिक शक्ति है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

भूदान यज्ञ के प्रणेता और गांधीजी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी: आचार्य विनोबा भावे

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे संत के बारे में सुना है, जिसने बिना किसी कानून या ज़ोर-ज़बरदस्ती के केवल प्यार, करुणा और मीठे शब्दों से अमीर ज़मींदारों का दिल पिघलाकर उनसे लाखों एकड़ ज़मीन दान में ले ली और उसे देश के गरीब व भूमिहीन किसानों में बाँट दिया? वे महात्मा गांधी के सबसे प्रिय शिष्य और आध्यात्मिक उत्तराधिकारी थे। देशवासी उन्हें बड़े आदर और श्रद्धा से 'आचार्य विनोबा भावे' और 'बाबा' कहकर पुकारते हैं।

आचार्य विनोबा भावे का जन्म 11 सितंबर 1895 को महाराष्ट्र के रायगढ़ ज़िले के 'गागोदे' गाँव के एक संभ्रांत और सुसंस्कृत चितपावन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री नरहरि शंभूराव भावे एक कुशल और ईमानदार वस्त्र इंजीनियर (टेक्सटाइल टेक्नोलॉजिस्ट) थे, जिनका विज्ञान और गणित पर गहरा अधिकार था। उनकी माता श्रीमती रुक्मिणी देवी अत्यंत धर्मपरायण, स्नेहमयी, विदुषी और ममता की मूरत थीं, जो नन्हे बालक को भगवद्गीता के श्लोक और संतों की कहानियाँ सुनाती थीं। माता-पिता ने उनका नाम 'विनायक नरहरि भावे' रखा था, पर प्यार से सब उन्हें 'विन्या' कहकर पुकारते थे।

नन्हे विन्या बचपन से ही गज़ब के कुशाग्र बुद्धि, जिज्ञासु और सादगीपसंद बालक थे। उन्हें गणित विषय से बहुत प्रेम था, पर उनके मन में ईश्वर और सत्य को जानने की प्रबल प्यास थी। जब वे बीस वर्ष के थे और इंटरमीडिएट की परीक्षा देने मुंबई जा रहे थे, तभी बीच रास्ते में उनके मन में वैराग्य जागा और वे काशी (वाराणसी) चले गए। वहाँ उन्होंने संस्कृत और शास्त्रों का गहन अध्ययन किया। जब उन्होंने महात्मा गांधी के प्रसिद्ध काशी हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) भाषण के बारे में सुना, तो वे बापू से मिलने अहमदाबाद के साबरमती आश्रम पहुँच गए। गांधीजी नन्हे विनायक की सादगी, सूत कातने की लगन और विद्वता से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने विनायक को प्यार से नया नाम दिया—'विनोबा'!

वर्ष 1940 में जब महात्मा गांधी ने 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' शुरू किया, तो उन्होंने पूरे देश में सबसे पहले सत्याग्रही के रूप में आचार्य विनोबा भावे को ही चुना। विनोबा जी ने अपनी माँ की इच्छा पूरी करने के लिए श्रीमद्भगवद्गीता का अत्यंत सरल मराठी भाषा में अनुवाद किया, जो 'गीताई' (गीता माता) नाम से घर-घर में प्रसिद्ध हुआ। उन्हें लगभग अठारह भारतीय और विदेशी भाषाओं का गहरा ज्ञान था।

आज़ादी के बाद वर्ष 1951 में जब वे तेलंगाना के 'पोचमपल्ली' गाँव में पदयात्रा कर रहे थे, तब कुछ गरीब दलित किसानों ने उनसे गुज़ारे के लिए ज़मीन माँगी। विनोबा जी ने ग्राम सभा में लोगों से प्रेमपूर्वक अपील की। यह देखकर वहाँ के एक ज़मींदार रामचंद्र रेड्डी ने तुरंत अपनी सौ एकड़ ज़मीन गरीबों को दान कर दी! यहीं से ऐतिहासिक 'भूदान आंदोलन' (भूमि दान यज्ञ) की शुरुआत हुई। विनोबा जी ने लगातार तेरह वर्षों तक पूरे भारत में नंगे पाँव हजारों किलोमीटर की पदयात्रा की और लगभग 44 लाख एकड़ ज़मीन दान में लेकर गरीबों में बाँटी।

उन्होंने "जय जगत" का विश्वबंधुत्व वाला नारा दिया। वे सामुदायिक नेतृत्व के लिए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'रेमन मैग्सेसे पुरस्कार' पाने वाले पहले भारतीय बने, और भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से भी अलंकृत किया। 15 नवंबर 1982 को महाराष्ट्र के पवनार आश्रम में इस महान संत ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, आचार्य विनोबा भावे का पावन जीवन हमें सिखाता है कि प्रेम और करुणा से किसी का भी हृदय जीता जा सकता है; हमेशा सादगी से रहो, मिल-बाँटकर खाओ और निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करो।



.....✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

सच्ची साधना किसी एकांत गुफा में नहीं, बल्कि लोगों के बीच रहकर अपने व्यवहार को निर्मल बनाने में है। यदि आपके हृदय में किसी के प्रति द्वेष नहीं है, व्यवहार में करुणा व क्षमा है, और संकल्प में दृढ़ता है—तो आप स्वतः ही परम चेतना के सबसे प्रिय बन जाते हैं।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org